आभार

"हरियाणा प्रदेश में जिला प्रशासन : कार्य प्रणाली का विश्लेषणात्मक अध्ययन" जैसे प्रासंगिक विषय पर शोध अत्यन्त चुनौतिपूर्ण कार्य था । जो कि अकेले सम्भव नहीं था । इस शोध यात्रा के शुभारम्भ से लेकर शोध यात्रा के कुशलतापूर्वक सम्पन्न होने तक अनेक लोगों ने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया अंत: मैं उन सभी का हृदय से आभारी हूँ यह शोध कार्य मेरे दूरदर्शी गुरु एवं मेरे शोध निर्देशक डॉ॰ अजमेर सिंह मलिक, प्रोफेसर लोक प्रशासन विभाग कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के कुशल मार्गदर्शन के बिना सम्भव नहीं था । इनके सकुशल मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद से ही यह कठिन कार्य पूर्ण हुआ । इस हेतु मैं अपने सुयोग्य निर्देशक के समक्ष नतमस्तक हूँ ।

मैं लोक प्रशासन विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र की अध्यक्षा डॉ॰ मंजुषा शर्मा का भी हार्दिक आभारी हूँ जिन्होंने समय-समय पर इस शोध कार्य में मेरा सहयोग एवं मार्गदर्शन किया। मैं विभाग के प्रोफेसर राजेश कुमार, डॉ॰ पंकज सिंह, का भी आभारी हूँ तथा लोक प्रशासन विभाग में क्लर्क पद पर श्री हरिमोहन और श्री राकेश कुमार जी का आभार प्रकट करता हूँ जिन्होंने समय-समय पर मुझे शोध-कार्य के दौरान सहयोग एवं प्रोत्साहन दिया ।

मैं उन सभी उत्तरदाताओं व सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का भी आभारी हूँ, जिन्होंने वांछित सूचना देकर इस शोध कार्य को पूरा करने में मेरी सहायता की है । मैं कुरुक्षेत्र

विश्वविद्यालय के जवाहर लाल नेहरू पुस्तकालय, धरोहर पुस्तकालय और भारतीय लोक-प्रशासन संस्थान, दिल्ली के कर्मचारियों का आभार प्रकट करता हूँ, जिन्होंने मुझे इस शोध-कार्य से संबंधित पुस्तकें, पत्र-पत्रिकाऐं एवं अन्य शोध सामग्री उपलब्ध करवाने में सहायता की ।

मैं धन्यवाद करना चाहता हूँ अपने दादा जी स्वर्गिय स० अरुढ़ सिंह खैरा का जिन्होंने सदैव मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया ।

इस शोध-कार्य में ही नहीं बल्कि हमेशा ही मेरे साथ होने का अहसास दिलाने वाले मेरे भाई स्वर्गिय स० सुखविन्द्र सिंह खैरा जो अब इस दुनिया में नहीं है लेकिन उनकी यादे हमेशा ही मेरे साथ रहेगी। मैं उनके प्रति इस शोध के द्वारा सच्ची श्रद्धांजली देना चाहता हूँ।

इस शोध-प्रबन्ध के द्वारा मैं अपने पिता स० रवेल सिंह खैरा तथा अपनी माता श्रीमती बलवीर कौर तथा ससुर स० बलबीर सिंह बाजवा व माता श्रीमती देवेन्द्र कौर और अपनी पत्नी श्रीमती अमनदीप कौर खैरा, जीजा जी स० मालक सिंह गिल बहन हरविन्द्र कौर और मेरे प्रिय पुत्र अंगद प्रताप सिंह खैरा और अनन्तवीर सिंह खैरा सहित सभी का आभार व्यक्त करता हूँ । मैं अपने परिवार में अपने ताऊजी आदरणीय स० बूटा सिंह खैरा सहित अपने चाचा स० अजमेर सिंह खैरा, स० गुरमेज सिंह खैरा व डॉ० मेजर सिंह खैरा सभी का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मेरा समय-समय पर मार्गदर्शन किया व इस शोध-कार्य को पूरा करने के लिए मुझे प्रोत्साहित किया ।

इस शोध कार्य को पूरा करने में मैं अपने प्रिय मित्रों डॉ॰ अमित रंगा, डॉ॰ साहिब सिंह, डॉ॰ ज्ञान सिंह चहल, श्री दलबीर सिंह लाठर, श्री जगदीप मोर का तहदिल से धन्यवाद करता हूँ । जिन्होंने इस शोध कार्य को पूरा करने में समय-समय पर मेरी मद्द की।

अन्त में मैं टंकण कर्त्ता श्री संजू चावला व रिंकू चावला (वैबसाईट कम्प्यूटरर्स, थर्ड गेट, कुरुक्षेत्र) का भी आभारी हूँ जिन्होंने समयबद्ध तरीके से इसे टंकित किया ।

दिनांक : **(जसविन्द्र सिंह)**